[Social Issues and Environmental Problems,Vol.3 (Iss.9:SE): Sep, 2015] **ISSN- 2350-0530(O) ISSN- 2394-3629(P)**
Impact Factor: 2.035 (I2OR)
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v3.i9SE.2015.3211

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH – GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository

इको टूरिज्म

अंशु अर्पण भारद्वाज
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन

सारॉंश
पर्यटक और पर्यावरण का सहसम्बन्ध है। वर्तमान समय में विश्व के समस्त देशों में पर्यटन का विकास तीव्रगति से हो रहा है और इसने उद्योग का रूप ले लिया है। पर्यटन उद्योग के विकास के साथ–साथ पर्यावरण के संरक्षण की आवश्यकता ने विश्व के पर्यावरणविदों को चिंतित कर रखा है। अनियंत्रित पर्यटन से जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। अतः इन दुष्परिणामों को नियंत्रित करने के लिए पर्यटकों को उत्तरदायी पर्यटन एवं इको टूरिज्म (पर्यावरणीय पर्यटन) हेतु जागरूक करना चाहिए। उत्तरदायी पर्यटन भौतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पतन को रोकता है। उत्तरदायी पर्यटन में स्थानीय समुदाय के सहयोग से पर्यटन क्षेत्र का विकास किया जाता है। उत्तरदायी पर्यटक सभी पक्षों का सर्वाधिक ध्यान रखने वाले और जागरूक पर्यटक होते हैं। पर्यावरण संरक्षण हेतु इको टूरिज्म का प्रद्यतन भी बढ़ाया जाना चाहिए। ऐसा पर्यटन जिनमें प्राकृतिक दृश्यों, जीव–जन्तुओं तथा वनस्पतियों को देखने और किसी सांस्कृतिक पहलू से जुड़े आनन्द लेने हेतु किसी स्थान की यात्रा की जाती है उसे इको टूरिज्म कहा जाता है।

मुख्य शब्द : पर्यटन उद्योग, पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता, उत्तरदायी पर्यटन, इको टूरिज्म, यात्रा संचालक, EIA - Environment Impact Assessment।

प्रस्तावना

पर्यटन में दो घटक सम्मिलित है – पर्यटक और पर्यावरण। पर्यटक एवं पर्यावरण का सहसम्बन्ध है। किसी भी पर्यटक को पर्यटन हेतु अपने पर्यावरण की आवश्यकता होती है। वहीं दूसरी ओर पर्यावरण के स्तर में गिरावट के कारण पर्यटन में कमी हो सकती है। अनियंत्रित पर्यटन के कारण पर्यावरण का ह्रास होता है।
वर्तमान समय में पर्यटन उद्योग के रूप में निर्बाध गति से बढ़ता जा रहा है। पर्यटन उद्योग एक ऐसा उद्योग समूह है जिसके अन्तर्गत वे सभी व्यापार और उद्योग सम्मिलित है जो यात्रियों की आवश्यकताओं की पूर्त्ति करना अपना लक्ष्य समझते हैं अर्थात् यह उद्योग अनेक व्यापारों का संगठन होते हुए भी अपने आप में विशाल संगठन है। इस उद्योग में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित मुख्य व्यापार–व्यवसाय होते हैं – होटल, परिवहन, भोजन, भवन निर्माण संस्थाएँ, बीमा कम्पनियाँ, मनोरंजन, फुटकर दुकानें, स्मारिकाएँ, उपहार विक्रेता, शिल्पकार, बैंक, केशश्रृंगार गृह, व्यूटी पार्लर, लाउण्ड्रीज, टिकट संग्रह, गोल्फ, बागवानी, नौकायन, स्लाइडिंग इत्यादि आते हैं।
पर्यटन उद्योग के विकास के साथ–साथ पर्यावरण के संरक्षण की आवश्यकता ने विश्व के पर्यावरणविदों को चिंतित कर रखा है। अनियंत्रित पर्यटन से पर्यावरण, जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्र तो प्रभावित होता है साथ ही अतिनिर्माण तथा अधिसंरचना संबंधी निर्माण कार्य के दुष्परिणाम होते हैं, अतः इन दुष्परिणामों को नियंत्रित करना अनिवार्य है ताकि पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बना रहे। इस हेतु पर्यटकों को उत्तरदायी पर्यटन हेतु जागरुक करना चाहिए।

उत्तरदायी पर्यटन

उत्तरदायी पर्यटन एक ऐसा पर्यटन हैं जो लोगों में पारस्परिक समझ को बढ़ाता है। जो भौतिक एवं सामाजिक–सांस्कृतिक पतन, मानवीय मूल्यों के पतन को रोकता है अर्थात् उत्तरदायी पर्यटक सभी पक्षों का सर्वाधिक ध्यान रखने वाले और जागरूक पर्यटक होते हैं। हम ऐसे पर्यटन को विश्वस्त या वैकल्पिक पर्यटन का नाम दे सकते हैं। उत्तरदायी पर्यटन में स्थानीय समुदाय पर्यावरण के विषय में निर्णय लेने में तथा पर्यटन विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। स्थानीय समुदाय विकास की गति को भी नियंत्रित करते हैं जो अति आवश्यक है। वर्तमान समय में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ–साथ आवश्यकता इस बात की है कि पर्यटक, स्थानीय समुदाय तथा सरकार के मध्य विचारों का आदान–प्रदान तथा सम्मिलित सहयोग से योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन ही उत्तरदायी पर्यटन को सफल बना सकता है। पर्यावरणीय शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, पर्यटक प्रशिक्षण तथा आधुनिक जनसंचार साधनों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता हेतु संरचना तंत्र एवं सूचना तंत्र विकसित किया जाना चाहिए जिससे पर्यटन क्षेत्रों की पर्यावरणीय समस्याओं का निवारण किया जा सकेगा। साथ ही उत्तरदायी पर्यटन की भावना के विकास के साथ–साथ इको टूरिज्म (पर्यावरणीय पर्यटन) का प्रचलन बढ़ाया जाना चाहिए।

इको टूरिज्म

इको टूरिज्म सोसायटी ने इसकी परिभाषा इस प्रकार की है – "जिम्मेदारी की भावना से प्राकृतिक स्थानों की यात्रा, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो तथा स्थानीय लोगों का आर्थिक कल्याण होता है उसे इको टूरिज्म कहा जाता है।

इको टूरिज्म की विशेषताएँ

- ऐसा पर्यटन जिसमें प्राकृतिक दृश्यों जीव–जन्तुओं तथा वनस्पतियों को देखने और किसी सांस्कृतिक पहलू से जुड़े आनंद प्राप्ति हेतु किसी स्थान की यात्रा की जाती है।
- इसमें आकर्षण का केन्द्र प्राकृतिक पर्यावरण रहता है। इस तरह के पर्यटन में सम्मिलित लोग पर्यावरण की संवेदनशीलता के प्रति जागरूक होते है।
- पर्यटन करने वालों का समूह छोटा होता है। उनकी सीमित संख्या पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल होती है।
- भीड़भाड़ से दूर किसी सुन्दर जंगल अथवा प्राकृतिक स्थान में रहना।
- मनोरंजन की ये सुविधाएँ सुखद अनुभव ही नहीं देती, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान और प्रेम का भाव भी पैदा करती है।
- वन्य पशु–पक्षियों और वनस्पतियों के संरक्षण की भावना।
- समुद्री जीवों का आनंद लेना तथा संरक्षण की भावना।
- ट्रेकिंग, नौकायन, रिवर राफ्टिंग इत्यादि करना।

विश्व पर्यटन संगठन में हाल ही में यह आकलन किया है कि इको टूरिज्म में प्रति वर्ष सम्पूर्ण विश्व में 10 से 30 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार को कुछ दृढ़ और कठोन नियम बनाने होंगे जिससे पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान नहीं पहुँचे। इस हेतु सुझाव है –

- पर्यटक स्थलों पर सूचनाएँ उपलब्ध करानी चाहिए कि क्या देखें ? कैसे देखें तथा कब देखें ?
- पर्यटक आचार संहिता तैयार की जाए।
- पर्यटन संबंधी विकास गतिविधियों की सीमा तय की जानी चाहिए जिसमें पर्यावरणीय संबंधी भौतिक और सामाजिक क्षमताओं का निर्धारण होना चाहिए।
- भौगोलिक अस्थिरता वाले क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की सीमा तय की जानी चाहिए।

- पेशेवर लैण्डस्केप आर्किटेक्ट और शहरी नियंत्रण करने वाले समुदायों एवं प्रत्यक्ष रूप से जुड़े अन्य लोगों के साथ सलाह करके प्रत्येक क्षेत्र के लिए प्रबंधन योजना बनाई जाए।
- गैर सरकारी संगठन, वैज्ञानिक अनुसंधानकर्ताओं की मदद लेकर पर्यावरण जागरूकता उत्पन्न की जाए।
- पर्यटन प्रशासन से जुड़े नियोजकों, यात्रा संचालकों एवं सर्वसाधारण के लिए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जायें।
- इको टूरिज्म के क्षेत्र में उत्तम कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए।
- इस प्रकार पर्यटन परियोजना तैयार करने से पहले भौतिक एवं सामाजिक सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन EIA (Environment Impact Assessment) को स्थानीय जनता के सामने रखकर उनकी राय जानना चाहिए। इस प्रकार विकसित किए गए पर्यटन के पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव कम दिखाई देते है तथा इसके कई लाभ है जैसे –
- स्थानीय लोगों का कल्याण होता है।
- जैव विविधता के संरक्षण में सहायता।
- पर्यावरण एवं स्थानीय परम्परा के प्रति संवेदनशीलता।
- प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में सहायता।
- अंतर्राष्ट्रीय एवं मानव अधिकार एवं श्रम कानूनों का पालन होता है।

इस प्रकार इको टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु उचित और विश्वस्त योजना तथा प्रबन्धन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

संदर्भ

1. *गोयल राजेश, पर्यटन के सिद्धान्त. वन्दना पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2011.*
2. *सिंह, सुरजीत, पर्यटन के सिद्धान्त, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.*
3. *सिंह, सुरजीत, भारतीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक पर्यटन, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली.*
4. *डॉ. नेगी, जगमोहन, पर्यटन भाग के सिद्धान्त, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004 (तृतीय संस्करण)*
5. *डॉ. श्रीवास्तव संदीप, मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों में ऐतिहासिक अनुप्रयोग, रिसर्च इण्डिया प्रेम, नई दिल्ली, 2011.*
6. *अग्रवाल, विनोद, पर्यटन मार्केटिंग एवं विकास, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2012.*
7. *शर्मा, अतुल, पर्यटन प्रबन्ध, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर.*
8. *भरूचा इराक, पर्यावरण अध्ययन, ओरियण्ट ब्लैक स्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2012.*
9. *Bhatia, A. K., Tourism Management and Marketing.*